



- |    |   |    |   |
|----|---|----|---|
| 11 | تعملون [١٨٨] فكذبوه فاخذهم عذاب                               | 1  | الله واطيعون [١٧٩] وما اسلكم عليه من ا                |
| 12 | يوم الظلة انه كان عذاب يوم                                    | 2  | جر ان اجري الا اعلا <sup>١</sup> رب العلمين [١٨٠] ا   |
| 13 | عظيم [١٨٩] ان في ذلك لاية وما كان ا                           | 3  | وفوا الكيل ولا تكونوا من المخسرين [١٨١]               |
| 14 | كثرهم مومنين [١٩٠] وان ربك لهو العزيز                         | 4  | وزنوا بالقسط <sup>٢</sup> المستقيم [١٨٢] ولا تبخسوا   |
| 15 | الرحيم [١٩١] وانه لتنزيل رب العلمين [١٩٢] نزل به              | 5  | الناس اشياهم ولا تعثوا في الارض                       |
| 16 | الروح الامين [١٩٣] علا قلبك لتكون من ا                        | 6  | مفسدين [١٨٣] واتقوا الذى خلقكم والجبلة                |
| 17 | لمنذرين [١٩٤] بلسن <sup>٤</sup> عربى مبين [١٩٥] وانه لفى زيرا | 7  | الاولين [١٨٤] قالوا انما انت من المسحرين [١٨٥]        |
| 18 | لاولين [١٩٦] اولم يكن لهم اية ان يعلمه                        | 8  | وما انت الا بشر مثلنا وان نظنك لمن                    |
| 19 | علموا <sup>٥</sup> بنى اسريل [١٩٧] ولو نزلنه علا بعض الا      | 9  | الكذابين [١٨٦] فاسقط علينا كسفا من السما              |
| 20 | عجمين [١٩٨] فقرأه عليهم ما كانوا به مومنين [١٩٩]              | 10 | ان كنت من الصادقين [١٨٧] قل <sup>٣</sup> ربي اعلم بما |

٤ بلسن: ص، ش، ق // بلسان: ت، ط، ف (انظر: للمقنع ٤٤).  
 ٥ علموا: ص، ت، ف // علما: ش، ط، ق (كتبوها بالواو والألف؛ انظر: مجاء مصاحف الأمصار ٩٢، المقنع ٥٧، ٥٧، ١٠٠، مختصر التبيين ٤/٩٣٨-٩٣٩، الجامع ٧٦، ٥٦).

١ علا: ص، ط // على: ت، ف، ق (كلمة «علا» الواردة في هذه اللوحة كلها بالألف في النسخ «ص»، ش، ط»، وفي النسخ الأخرى بالياء؛ انظر: للمقنع ٤٦٥ مختصر التبيين ٢/٤٧٥، الجامع ٥٨).

٢ بالقسط: ص، ت، ش، ط، ق // بالقسطاس: ف.

٣ قل: ص // قال: ت، ط، ش، ف، ق.